सेवा में,
सी. ई. ओ.,
जे. एस. एल. पी. एस.
रांची,
झारखंड,

श्रीमान,
जे. एस. एल. पी. एस. द्वारा **"समुदाय प्रबंधित सूक्ष्म सिंचाई योजना"** की शुरुवात हमारे जिले में की गई है, हमें ये जानकारी आई.-पी.एफ.टी. के माध्यम से प्राप्त हुई है, जो की इस योजना में .....प्रखण्ड, और एस. आई. ई. सी., एस. आर. सी. रांची, झारखण्ड में कार्यरत हैं ।

आई.-पी.एफ.टी. और एस. आई. ई. सी. के मार्गदर्शन के अनुसार, हम ____ किसानों ने, हमारे गांव में नदी /धारा/जलाशय के किनारे स्थित कुल जमीन _____ एकड़ का, एक पैच चुना है, जिसे हमारे क्षेत्र में _____ नाम से जाना जाता है।

उपरोक्त उल्लिखित भूमि, वर्षा की कमी से प्रभावित है, जिसमें किसानों को खरीफ मौसम के अलावा फसलों के उत्पादन में बाधा आती है।

"समुदाय प्रबंधित सूक्ष्म सिंचाई योजना" के अंतर्गत, हमें सभी प्रकार की योजनाओं के बारे में जानकारी मिली है जिसमें **1. ग्रेविटी, 2. डीजल, 3. सौर** योजना का प्रावधान है, साथ ही साथ प्रत्येक योजना के प्रकार का लाभ और सीमाओं की भी हमें जानकारी प्राप्त है।

सभी ____ किसानों ने मिलकर **वाटर यूजर एसोसिएशन (डब्ल्यू. यू. ए.)** का निर्माण ___/___/_____ को किया है। **डब्ल्यू. यू. ए.** के सभी सदस्य, एक _____ सिंचाई योजना के लिए आवेदन कर रहे है, जिससे **वाटर यूजर एसोसिएशन (डब्ल्यू. यू. ए.)** के सदस्यों को योजना का लाभ मिल सके।

डब्ल्यू. यू. ए. के सभी किसान इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि **समुदाय प्रबंधित सूक्ष्म सिंचाई योजना** में निर्दिष्ट सभी मानदंडों के अनुरूप, सिंचाई योजना के सुचारू रूप से क्रियान्वयन, बेहतर खेती और गुणवत्तापूर्ण कृषि के तत्पर रहेंगे।

आपसे विनम्र निवेदन है कि आप उपरोक्त का संज्ञान लेकर, हमें अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

सादर धन्यवाद।

डब्ल्यू. यू. ए. के सदस्यों की सूची-

क्रमांक	नाम	मोबाईल नंबर	पद	हस्ताक्षर

दिनांक: ___/____/_____

आई. -पी. एफ. टी. सदस्य का नाम _____,

हस्ताक्षर_____

दिनांक: ___/____/_____